an>

Title: Regarding loss of lives in various incidents and terrorists attack in India and other countries.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, 18 जुलाई, 2016 को बिहार के औरंगाबाद जिले के चकरबांदा-डुमरीनाला जंगल में एक आईईडी विस्फोट से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के लगभग 10 कार्मिक शहीद हो गए और अन्य 5 घायल हो गए।

एक घटना में 31 मई, 2016 को महाराष्ट्र के वर्धा जिले में पुलगांव में सेना के केन्द्रीय आयुध डिपो में आग लग जाने के कारण 17 लोगों के मारे जाने और अनेक अन्य लोगों के घायल होने की एक दुखद सूचना भी प्राप्त हुई है।

एक अन्य घटना में श्रीनगर, जम्मू कश्मीर के बाहरी इलाके पम्पोर में 25 जून, 2016 को जवानों को ले जा रही एक बस पर आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में सीआरपीएफ के आठ जवान शहीद हो गए और 20 अन्य लोग मारे गए।

माननीय सदस्यगण, प्राकृतिक आपदाओं की विभिन्न दुखद घटनाओं में उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, असम, महाराष्ट्र अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश और ओडिसा एवं अन्य जगहों पर भी बादल फटने, भू-स्खलन, भारी वर्षा, बाढ़ और बिजली गिरने के कारण करीब-करीब 96 लोगों के मारे जाने और अनेक अन्य के प्रभावित होने की सूचना भी प्राप्त हुई है।

माननीय सदस्यगण, यह सभा काबुल में 20 जून, 2016 को निर्दोष लोगों के मारे जाने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करती है जिसमें एक बस में किए गए आत्मघाती बम हमले में उस बस में सवार दो भारतीय मारे गए। एक अन्य दुखद घटना में काबुल में 30 जून, 2016 को अफगान पुलिस कैडेटों को ले जा रही बसों के काफिले पर किए गए दो आत्मघाती बम हमलों में 40 लाग मारे गए और 58 अन्य घायल हो गए।

इस्तानबुल हवाई अड्डे पर 28 जून, 2016 को किया गया आतंकवादी हमला एक क्रूर तथा भयावह कृत्य था जिसने पूरे विश्व को स्तब्ध कर दिया। हम इस त्रासदी के पीड़ितों के प्रति शोक व्यक्त करते हैं और दुख की इस घड़ी में तुर्की के लोगों के साथ संवेदना और एकता की भावना व्यक्त करते हैं।

माननीय सदस्यगण, हम 1-2 जुलाई, 2016 को ढाका में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों पर किए गए घृणित हमले से भी अत्यंत दुखी हैं जिसके फलस्वरूप अन्य लोगों के साथ-साथ एक भारतीय की भी मृत्यु हो गई। यह सभा इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निन्दा करती है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती है।

आतंकवाद के विरुद्ध इस लड़ाई में हम बांग्लादेश की सरकार और जनता के साथ दृढ़ता से खड़े हैं।

माननीय सदस्यगण, यह सभा सउदी अरब के जेद्दा, कातिफ और पवित्र शहर मदीना में 4 जुलाई, 2016 को हुए घृणित आतंकवादी हमले की भी कड़ी निन्दा करती है। हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं तथा घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

भारत किसी भी स्वरूप में आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने के लिए सउदी अरब के साथ निकट और सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

माननीय सदस्यगण, फ्रांस के नीस शहर में 14 जुलाई, 2016 को जब लोग फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस मना रहे थे, एक आतंकी हमले की घटना हुई। इस कायरतापूर्ण हमले में बहुत से बच्चों सहित 84 से अधिक लोगों की जानें गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

हम दुख की इस घड़ी में फ्रांस के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनके साथ खड़े हैं। हम इस हमले के पीड़ितों और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना और मृतकों एवं घायलों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हैं और जिस प्रकार वे इस संकट का साहस से सामना करते हुए मानवता के शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए और अधिक मजबूत एवं दृढ़ता के साथ सामने आए हैं, उसके लिए हम फ्रांस की सरकार और वहां की जनता का दृढ़तापूर्वक समर्थन करते हैं।

ये आतंकवादी हमले आतंकवाद के अभिशाप से लड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा ठोस कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता की याद दिलाते हैं। हम विश्व समुदाय से आतंकवाद के प्रति शून्य समर्थन की नीति (Zero Tolerance Policy) को अपनाने और पूरे विश्व से आतंकवाद के भय का सामना करने और उसका उन्मूलन करने का पुन: आह्वान करते हैं।

यह सभा इन दुखद घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है जिसके कारण मृतकों और घायलों के परिवारों को बहुत कष्ट उठाना पड़ा।

अब यह सभा दिवंगतों के सम्मान में थोड़ी देर के लिए मौन खड़ी रहेगी।

11.05 hours

The Members then stood in silence for short while.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : अध्यक्ष महोदया, मैंने आपके चैम्बर में आकर रिक्वेस्ट की थी कि रूल 56 के तहत मुझे पांच शब्द बोलने के लिए अनुमति दें क्योंकि इस सदन में सबके नोटिस में इसे लाना जरूरी है Repeated malicious attempts have been made to destabilize the elected State Governments, undermine the Constitution and also create an apprehension among the people of the country.

HON. SPEAKER: I will allow it after Question Hour.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : उत्तराखंड में ऐसा हुआ, अरूणाचल में हुआ...(व्यवधान)

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Madam Speaker, I also want to speak on this matter. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I will allow you also in 'Zero Hour.'

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please take your seats.